RAF SECTOR
NEWS CLIP
22/02/20

CENTRAL RESERVE POLICE

27 YEARS OF SENSITIVE POLICING R.A.F. TWENTY SEVENTH ANNIVERSARY

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Hindustan, Prayagraj (UP)

लाखों ने लगाई संगम में डुबकी

प्रयागराज | वरिष्ठ संवाददाता

माघ मेले के छठवें और आखिरी स्नान पर्व पर लाखों श्रद्धालुओं ने रिमझिम फुहारों के बीच संगम में आस्था की डुबकी लगाई। प्रशासन का अनुमान 15 लाख श्रद्धालुओं के आने का था लेकिन बारिश और बूंदाबांदी के कारण शाम तक साढ़े पांच लाख श्रद्धालु पहुंचे। दिन चढ़ने के साथ थोड़ी रौनक बढ़ी। स्नान के बाद श्रद्धालु शिव मंदिरों में दर्शन के लिए भी पहुंचे।

महाशिवरात्रि का शुभ संयोग भोर में लगभग चार बजे से होने के कारण भीड़ होने लगी। सुबह कुछ देर बारिश के बाद दिन में कई बार रिमझिम फुहार पड़ी। यही कारण था कि प्रशासन ने जितनी भीड़ का अनुमान लगाया था उतने श्रद्धालु नहीं पहुंचे सके। कम भीड़ के कारण छठवें स्नान पर्व पर शुक्रवार को दोपहिया व चार पहिया वाहन बेरोकटोक संगम नोज के करीब पहुंच गए। कुछ भीड़ बढ़ी तो वाहनों को अक्षयवट मार्ग पर रोका जाने लगा। प्रभारी अधिकारी माघ मेला रजनीश मिश्र ने बताया कि शाम तक 5.5 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया। सबसे ज्यादा भीड़ संगम नोज पर रही। बहुतेरे श्रद्धालुओं ने रामघाट और दशाश्वमेध घाट पर भी स्नान किया। स्नान के बाद घाट पर गोदान, दान और संकल्प पूजन किया गया।

दोपहर बाद सरकारी तंत्र भी होने लगा विदा

माघ मेले का आखिरी स्नान पर्व महाशिवरात्रि को पूरा हुआ। सुबह जहां श्रद्धालुओं की भीड़ नियंत्रित करने में अमला जुटा रहा वहीं दोपहर बाद सरकारी तंत्र मेले से विदा होने लगा। आरएएफ की कंपनियां बसों में भरकर मेला क्षेत्र से निकलने लगी।

जहां चाहा वहीं लगाई डुबकी

शुक्रवार को श्रद्धालुओं ने संगम क्षेत्र में जहां चाहा वहीं स्नान किया। झूंसी की ओर से आने वाले ज्यादातर श्रद्धालुओं ने पीपा के पुलों के पास स्नान किया। प्रशासन का पूरा फोकस संगम नोज की ओर ही रहा। पुल नंबर पांच से दक्षिण दिशा की ओर स्नान घाट पर भीड़ जुटी रही। सेक्टर तीन व चार में पुल नंबर तीन चार और दो के पूर्वी दिशा में स्नान को भीड़ लगी रही।

एक नजर में माघ मेला

- **06** प्रमुख स्नान पर्व माघ मेले में हुए
- **10** जनवरी को पौष पूर्णिमा के साथ शुरू हुआ माघ मेला
- **21** फरवरी को महाशिवरात्रि का आखिरी स्नान पर्व पड़ा
- **43** दिन का इस बार कुल माघ मेला रहा
- **10** करोड़ श्रद्धालुओं ने माघ मेले में लगाई डुबकी

मेले के अंतिम स्नान पर्व पर संतों ने भी लगाई डुबकी

माघ मेला के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि पर शुक्रवार को अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के संरक्षक स्वामी महेशाश्रम, स्वामी श्रीधरानंद ब्रह्मचारी, स्वामी घनश्यामाचार्य, स्वामी देवेंद्र आश्रम, राघवानंद आदि संतों ने संगम स्नान किया।

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

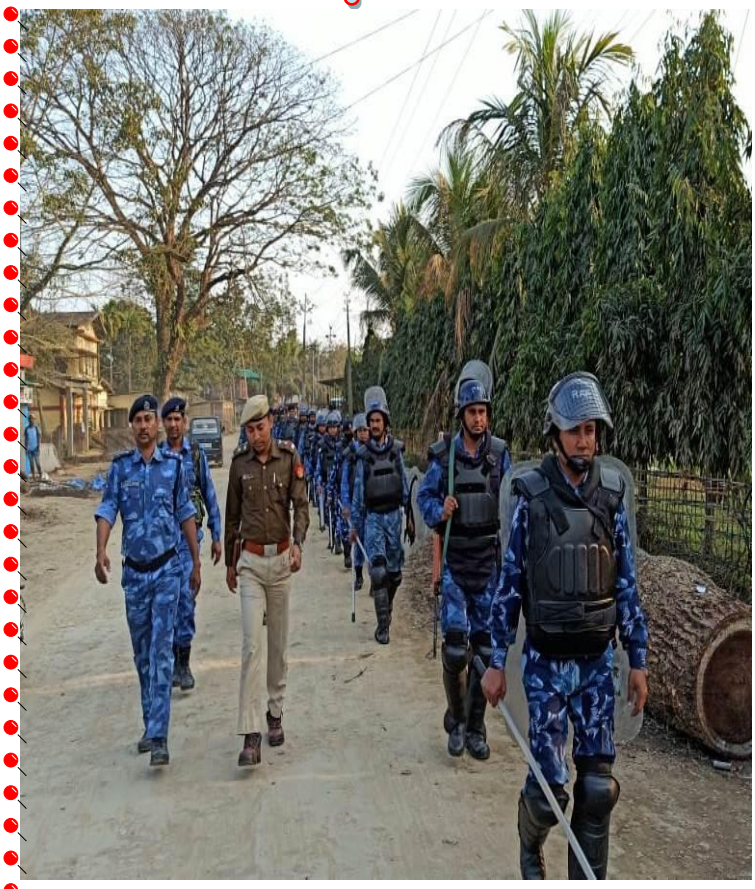

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।